07-02-2021

भगवान महावीर रिलीफ फाउंडेशन ट्रस्ट के कार्यक्रम में संबोधन

- आज भगवान महावीर रिलीफ फाउंडेशन ट्रस्ट के इस कार्यक्रम में आकर मुझे आनन्द की अनुभूति हो रही है।

- गत वर्ष 14 जनवरी को जब परम आदरणीय मोहन भागवत जी ने इस केंद्र का शुभारम्भ किया था तब भी मैं आप लोगों के बीच था और आज सेवा के इस पावन स्थल के एक वर्ष पूरे होने पर आप सब के बीच पुनः उपस्थित होकर मैं बहुत प्रसन्न हूं।

- अपनी एक वर्ष की यात्रा में इस केंद्र ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए जिस समर्पण और सेवा भाव से कार्य किया है वह अनुपम है। यहां एक वर्ष मे 11000 से भी अधिक डायलिसिस किए गए हैं यानि औसतन 30 से भी अधिक डायलेसिस प्रतिदिन हुए हैं।

- वह भी तब जब कोरोना के कारण पिछला वर्ष बड़ी कठिनाइयों में बीता। लेकिन तब भी इस केंद्र ने जरूरतमंद रोगियों को डायलेसिस की सुविधा प्रदान कर न जाने कितने जिन्दगियां बचाई हैं।

- आपने जिस प्रकार से जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा किया है उसकी ज्यादा से ज्यादा सराहना की जानी चाहिए।

- भगवान महावीर के नाम पर स्थापित यह केंद्र अनूठा इसलिए भी है कि इसमें चिकित्सा विज्ञान के साथ-साथ अध्यात्म को जोड़ा गया है। यह संस्था भगवान महावीर के नाम पर है जो शांति और सेवा के पर्याय हैं और संस्था के पदाधिकारियों ने इस नाम को सार्थक करने के लिए अथक परिश्रम और प्रयास किए हैं।

- साथियो, असंयमित जीवनशैली के कारण आज किडनी रोगियों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। उतनी ही तेजी से उपचार का खर्च भी बढ़ रहा है। उस सब के बीच भी यह केंद्र जरूरतमंद लोगों को सिर्फ 500 रुपये में एवं वंचित वर्ग के लोगों का निःशुल्क डायलिसिस करके सेवा एवं परोपकार का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। निश्चित ही यह डायलिसिस सेंटर राजधानी दिल्ली का एक श्रेष्ठ डायलिसिस सेंटर है जिसका संचालन सभी ट्रस्टी सेवा भावना से कर रहे हैं।

- साथियो, एक स्वस्थ राष्ट्र ही समृद्ध राष्ट्र हो सकता है। कोरोना का संकट जब आरम्भ ही हुआ था तब देश में हेल्थ Infrastructure को और मजबूत बनाने की आवश्यकता साफ नजर आई।

- सरकार और हमारे उद्यमियों के प्रयासों से इस परिस्थिति में पिछले एक वर्ष में बहुत परिवर्तन आया है। हम PPE किट, वेंटीलेटर में आत्मनिर्भर हो गए हैं और आज अन्य देशों की जरूरतें भी पूरी कर रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत की धारणा भी यही है।

➢ इसी दृष्टि से देश में हेल्थ केयर सेक्टर में निवेश को बढ़ाया जा रहा है। इस वर्ष के बजट में हेल्थ सेक्टर के लिए 137 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है। परन्तु सरकार के प्रयास तभी अधिक प्रभावी हो सकते हैं जब निजी क्षेत्र और गैर सरकारी संगठन उसमे सहयोग करेंगे। इसलिए आपकी संस्था द्वारा किये जा रहे कार्य बहुत महत्वपूर्ण हैं।

➢ साथियो, आप लोग डायलिसिस के माध्यम से उत्कृष्ट सेवा तो दे ही रहे हैं, इसके साथ ही मैं आपसे आग्रह करूंगा कि नागरिकों को Kidney Diseases के प्रति जागरूक करने के कार्य में भी आप तेजी लाएं। कोरोना के बाद के काल में यह और अधिक आवश्यक हो गया है।

➢ अभी मार्च महीने में विश्व डायलिसिस दिवस और विश्व किडनी दिवस (11 मार्च) आने वाला है। आप जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से इनके सम्बन्ध में जनता में जागरूकता का प्रसार करें। यह भी मानवता के लिए एक बड़ी सेवा होगी।

➢ इसके साथ अब अंगदान के लिए भी अपनी मुहिम को व्यापक बनाएं। हमारे देश में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिनको अंगों की आवश्यकता है। वहीं बड़ी संख्या में लोग ऐसे भी हैं जो अकाल मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। मैं हाल ही का एक उदाहरण देता हूं, जब जयपुर में एक 14 वर्षीय बालक की रोड एक्सीडेंट के बाद मृत्यु हुई, तो उसके अभिभावकों ने अद्भुत साहस का परिचय देते हुए उसके अंगदान का फैसला किया।

➢ वह मासूम बालक जाते-जाते भी चार लोगों को जिदंगी दे गया। उसमें भी उसकी किडनी मेरे संसदीय क्षेत्र कोटा के किसी व्यक्ति के काम आई।

➢ **सोचिए, चार लोगों को नई जिन्दगी मिलना कितना बड़ी बात है। इस तरह के मामलों में यदि हम इनके परिवारों को अंगदान के प्रति जागरूक कर पाएं तो मानवता की सेवा में यह हमारा बड़ा योगदान होगा।**

➢ अंत में, इस सेंटर के लिए स्थान उपलब्ध करवाने के लिए मैं डा. हेडगेवार स्मारक न्यास और प्रख्यात समाजसेवी श्री सुखराज सेठिया जी का अभिनंदन करता हूं।

➢ इस संस्थान के चीफ ट्रस्टी श्री बजरंग बोथरा जी, महामंत्री श्री प्रसन्न जैन जी एवं उनकी संपूर्ण टीम का अभिनंदन करता हूं जिन्होंने इस एक वर्ष में तन-मन-धन से सहयोग देकर सेवा का एक अनूठा आयाम खड़ा किया है।

➢ इस सेंटर के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान के लिए मैं एचएफसीएल के चेयरमैन श्री महेन्द्र नाहटा जी, राजेन्द्र घोड़ावत जी का अभिनंदन करता हूं।

➢ मैं समाजसेवी श्रीमती कमलेश गुप्ता जी की भी सराहना करता हूं जिन्होंने एक हजार गज का भूखण्ड इस सेंटर के लिए अनुदान स्वरूप प्रदत्त किया है।

➢ निश्चित ही उनकी संवेदना एवं सेवा भावना - 'नर सेवा नारायण सेवा' का उत्कृष्ट उदाहरण है।

➢ एक बार फिर मैं भगवान महावीर डायलिसिस सेंटर के सफल एक वर्ष पर सभी ट्रस्टीगणों एवं उदारमना सहयोगियों को धन्यवाद देता हूं।

- आपने मुझे यहां आमंत्रित करके मेरे गौरव बढ़ाया, इसके लिए मैं पुनः आपका धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

———